

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हार्दिक
धन्य
विधे

प्रश्न
संख्या

1 A

- ✓ गौर गण्डल को छोड़ कर बाकी पिकों का समूह
- ✓ शुष्क एवं गैर धा निम्न, आसम में लंबी फुंद गणित
- ✓ पक्का के चमकीले होते
- ✓ उदाहरण - डेली जो 3-6 वर्ष में दिखाई देता है।

1 B

- ✓ डपडू - जब चंद्रमा अपनी कक्षा में धरती से अधिकतम दूरी पर है,
- ✓ डपडू - जब चंद्रमा अपनी कक्षा में धरती से न्यूनतम दूरी पर है।

1 C

1 D

- ✓ 'यु' आकार की धाती
- ✓ ~~किमोई~~ रूमलिन
- ✓ केम

1 E

- ✓ जकारम का अभाव, परतदार चट्टानें
- ✓ निर्माण - आर्कियन चट्टानों के अपरदन & निक्षेप से
- ✓ प्रमुख तत्व - लोहा, सोना, मैंगनीज, गंधक.

1 F

- ✓ इंडीमा में अवस्थित, भारत की सबसे बड़ी तटीय झील
- ✓ नौसेना प्रशिक्षण केंद्र है, लैंगून झील (खोर पानी की)
- ✓ दामा & थार्गवी नदियों में जल प्राप्त

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाशिए में न लिखें

I G

✓ उत्तराखण्ड में अवस्थित

I H

✓ बंगाल की खाड़ी में नफिसा काय जलोढ़ मिट्टी के निक्षेप का एक साल में निर्मित एक द्वीप

I I

✓ भारत के सड़क संचाल में सबसे अच्छे कोरि की लंबे
✓ 6 या 8 लेन

✓ उदाहरण - महात्मा गांधी एम्प्लेन वे, ग्रेटर नोएडा

I J

✓ भारत में उत्तर पूर्व में स्थित
✓ ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी

I K

✓ मुख्यालय - नई दिल्ली

✓ स्वयं सामग्री हेतु मानके का निर्माण, शंखाबा, विरगण आदि की नियंत्रित करना

I L

✓ कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना & नियंत्रित हेतु एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाशिए
में न
लिखें

प्रश्न
संख्या

1 4

बिचरे हुए खेतों पर जल में बसकर आदि
जल का पुनर्पन करना

भूमि सुधार के तहत मरुभूमि बना गया |

1 2

1 0

पिल्ली में स्थित

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

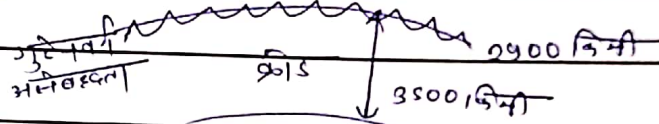
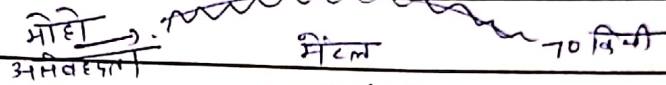
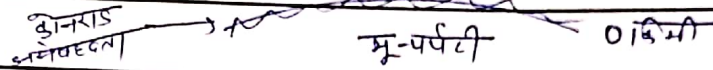
प्रश्न संख्या
2 4

पृथ्वी का निर्माण अनेक परतों में मिलकर

हुआ है और भूबिंदीय तबकों के अध्ययन के आधार पर

3 भागों में बँटा गया —

90% आग्नेय चट्टान



6371 किमी

चित्र - पृथ्वी की आंतरिक संरचना

✓ भू-पर्पटी

→ सघन अपरी परत

• 90% भाग आग्नेय चट्टानों में निर्मित

• सिलिका & एल्युमिनियम की प्रधानता

✓ मेन्टल

→ • भू-पर्पटी का पिचला भाग, 2

• खोज-मोहो विविक्त

• चट्टाने पर्पटी की तुलना में अधिक भारी

• सिलिकॉन, मैग्नीशियम की प्रधानता

✓ क्रोड

→ • केंद्रीय भाग, तरल & प्लास्टिक अवस्था

• खोज-गुरुत्ववी

• क्रियम-निकल की प्रधानता

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाशिए में न लिखें

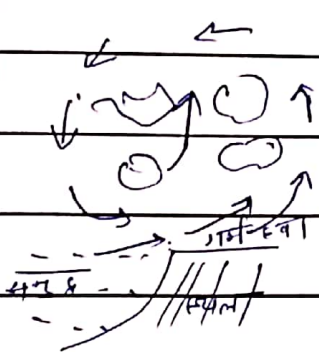
प्रश्न संख्या

2 'B

जल एवं थल समीर उष्णकटिबंध के तटीय भागों में प्रवाहित होती हैं। उनकी विद्या में 24 घंटे के भीतर दो बार परिवर्तन हो जाता है।

• उत्पत्ति का कारण - थल सतह के तापमान की विविधता

• जल समीर -

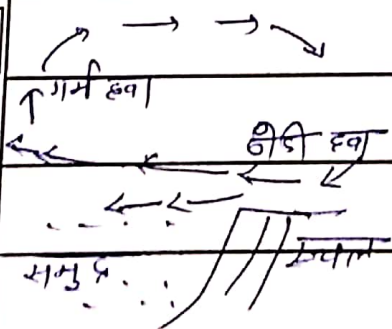


• दिन के समय स्थल भाग पर अधिक ताप से उत्पन्न निम्न वायुदाब तथा जल भाग पर कम तापमान होने से अधिक वायुदाब स्थापित होता है।

परिणामतः दिन में समुद्र से

स्थल की ओर पवने बहने लगती हैं।

• स्थल समीर -



रात्रि के समय स्थल भाग पर शीघ्र ठंडा होता है तो रात में स्थल भाग पर वायुदाब अधिक होता जाता है और थलीय भाग पर कम रहता है।

इस प्रकार रात्रि में समुद्र से

स्थल की ओर पवने बहने लगती हैं।

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

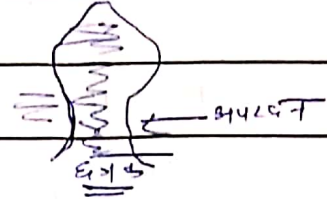
हाशिए में न लिखें

2 D

वायु अपरदन के निर्मित स्थापनाओं —

द्वयक

कुछरमुने के समान भाइनि,
निचले भागी में अल्माधिक काव,
वायु अपरक्षण द्वारा निर्मित



लौएस

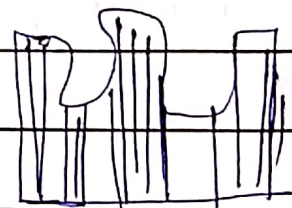
वायु को उठाकर लार्ई गई रेत के
पारीक ळी में निर्मित, जल में
संपर्क देने पर अपजाऊ मिट्टी का निर्माण।



लौएस

मारडोग

भरनअलीम क्षेत्र में ळेर र कोनल
नडानों का अपरदन जिलमें अबड -
स्वाकड आकृति का विकास।



मारडोग

ज्युगेन

निर्माण - मुलामअ व ळेर नडानों
की फरतों की क्षैतिज अवस्था में,
दसरी ओत भरने से, रोपी के आकार की



ज्युगेन

भूत्तमे

ज्युगेन का विकसित रूप

अन्म

कालूका स्तूप, शिशकारेंटर, अंसदि स्थापनाकृतिमें।

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

2 E

2011 की जनगणना के अनुसार नगरीय व ग्रामीण जनसंख्या के शोकेट निम्नांकित हैं -

जनसंख्या:

प्रतिशत

→ नगरीय व ग्रामीण क्रमशः 31.2 व 68.8%

सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या नगरीय - शिव

जनसंख्या प्रतिशत - ग्रामीण - बिहार

लिंगानुपात

→ नगरीय - सिक्किम केरल

ग्रामीण - सि केरल

साक्षरता

→ ग्रामीण - केरल (93%) (सर्वाधिक)

नगरीय - केरल (94%) (सर्वाधिक)

जनसंख्या

→ नगरीय - महाराष्ट्र (सर्वाधिक)

ग्रामीण - उत्तर प्रदेश (सर्वाधिक)

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाशिप
में न
लिखें

प्रश्न
संख्या

2 F

भारत व श्रीलंका के बीच इस परियोजना का

प्रस्ताव 1860 में ब्रिगिड मोरल 'एडी टिलर' ने

रखा था।

✓ लागत - 2500 करोड़, मात्र

✓ निर्माण वर्धा - भारत सरकार ने स्विज नहर प्राधिकरण

के माध्यम से समझौता किया।

✓ विमोक्षण -

• इस परियोजना के तहत बंगाल की खाड़ी

व अरब सागर के बीच सीधी आवाजाही

के लिए मन्नार की खाड़ी के पास जलसेतु के

बीच समुद्री मार्ग का निर्माण

• मार्ग के शुरू होने पर समुद्री यात्रा

में लगभग 36 घंटे की बचत होगी।

... उल्लेखनीय है भारत व श्रीलंका के कई पर्यावरणविद्

संगठन इसका विरोध करते हैं क्योंकि इससे प्रवाल भिन्नी,

समुद्री पर्यावरण को उत्थान, मछुआरों की आशंका है इससे

मछलियों की संख्या कम हो जाएगी।

... परंतु इस परियोजना द्वारा व्यापार, वाणिज्य,

पर्यटन को लाभ मिलेगा।

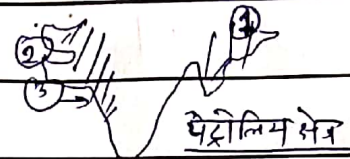
मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

6

'तरल सोना' या 'काला सोना' के रूप में

अतिरिक्त प्रमुख पेट्रोलियम उत्पाद क्षेत्र -



① ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र -

→ • देश का सबसे पुराना, पहला कुआँ - भाइप

• उत्पादक क्षेत्र -

- ① डि.बोई
- ② नाहर अरिया

② गुजरात तटीय क्षेत्र

→ • भारत का प्रमुख तेल उत्पादक क्षेत्र

• क्षेत्र - अंबेडकर (कैमली गिळमनरी)

कुंभे भूनी क्षेत्र, अहमदाबाद कलौल क्षेत्र

③ पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र

→ • भारत का सर्वाधिक पड़ोस तेल उत्पादन क्षेत्र

• क्षेत्र - वॉम्बे हाई (सर्वाधिक पड़ोस) (GSY);

कैमीन तेल क्षेत्र, आलियाघंट

④ पूर्वी तट क्षेत्र

→ • महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी बेसिन

⑤ अन्य क्षेत्र

→ रामपुर, बिलातपुर, मन्नाल की खाड़ी

आदि।

मुख्य परीक्षा

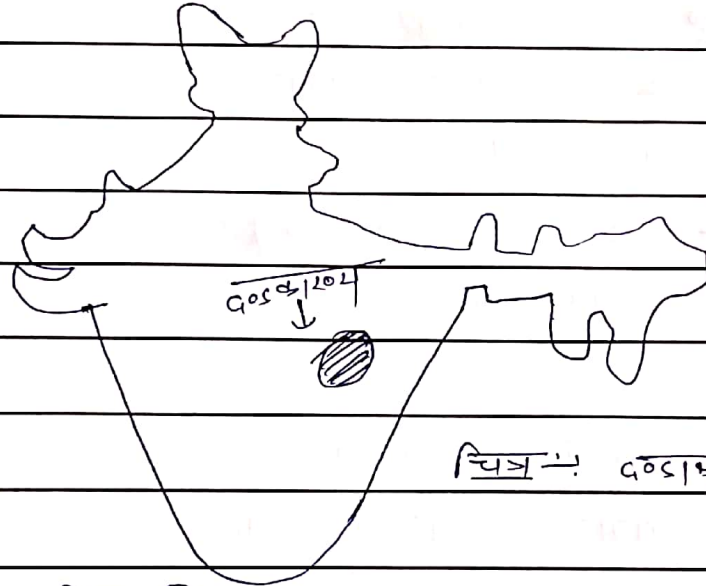
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न
संख्या

2 H

✓ **विस्तार** — उड़ीसा, दलीमगढ़, ओझपदेश में
लगभग 89000 वर्ग किमी क्षेत्र पर।

✓ **निर्माण** — आदिम युग की चट्टानों में निर्मित,
औसत गैंग्राई - 700 मीटर, अवर. खाण्ड
समूह वनीय क्षेत्र।



चित्र :- दंडापरम्प पठार

✓ **प्रमुख विशेषताएँ :-**

- भूदा - लाल-पीली, चावल समूह कसल
 - नदी - गोदावरी की सहायक कंसवती, चित्रकोट
अलप्रपात (भारत का निमात्रा)
 - वर्षा - 200 से अधिक, वार्षिक
 - खनिज - आदिम व कड़पा युग की चट्टानों
के विकास के कारण खनिज समाधान
की दृष्टि से समूह पर्यु पर्याप्त दोहन
का अभाव अतः आर्थिक रूप से महत्व नहीं।
- प्रमुख खनिज - मैंगनीज, लौहा, कोमला की

सन्दर्भ भाषा

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

2 I

सब मानवभारित परमाणु थापना,
23 अप्रैल 1986 में क्लिफ-ओरनोविल परमाणु विद्युत केंद्र
में घटित, यूरेन सहित यूरेनियम कक्षा संभावित हुए।

ध

घटनाक्रम

→ जीफ कंजीनियर डी एलॉक ने रिपॉर-4
के परिष्कार के आदेश दिए जो एक गंभीर
भूल थी।

→ कम पानी के कारण फ्यूल असेम्बली की
यूरेनियम क्षेपण लक्ष्य व क्षीण धमाके हुए।

प्रभाव

→ 100 से ज्यादा लोग विकिरण से प्रभावित, 30
लोगों की मौत, स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव -
थैरोइडल एड्स, जन्मजात बीमारियां 250% तक
बढ़ी, 10% जमीन जैंगल नष्ट आदि।

क्याव

→ पूर्व सोवियत संघ की सेना ने दुनिया का सबसे
खतरनाक क्याव अभियान किया, कई जन
बालू दूषितक लसिड भरा गया रिपॉर में आदि।

... कम तरह से देखा जाती यह आपदा

तकनीकी दक्षता, मानवीय गति गति गलतियों का परिणाम थी।

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

दृशिष्ट
में न
लिखें

प्रश्न
संख्या

2 J

चक्रवात - चक्रवात आपदा के - सूनीकरण व संबंधन की तैयारी हेतु उपाय -

✓ तैयारी क्रम के पूर्व चक्रवात-चेतावनी तंत्र की स्थापना करना

✓ चक्रवात आने के पूर्व उसकी जानकारी एकत्र करना व पूर्व चेतावनी लोगों को देना।

✓ सुरक्षा के माध्यम स्थलों, तटबंधों, मत्स्यघातों, वटीय क्षेत्र में प्रसारण (मॉड्यूल) आदि की चक्रवात के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

✓ चक्रवात की मुखेक्षण वाले स्थानों की पहचान करना व वहाँ भूमि उपयोग नियंत्रित करना।

✓ वटीय क्षेत्रों में मॉड्यूल का विकास करना

✓ चक्रवात रोधी विजामन मॉडल के लिए तकनीकी कानूनी प्रेमवर्क के साथ संस्चनात्मक प्लान की स्थापना।

✓ वटीय व बस मैदानों वाले क्षेत्र का विकास आवश्यक संशोधन तथा नियमित लगाने को लागू करना।

उल्लेखनीय है चक्रवात एक प्राकृतिक घटना है

जिसकी उत्पत्ति को रोका तो नहीं जा सकता परंतु

अपरिहार्य उपाय अपनाकर कम-कम से दुःखभावों को

कम किया जा सकता है।

मुख्य परीक्षा

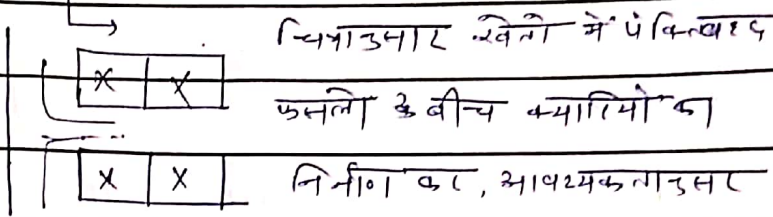
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

2 K

भारत कृषि प्रधान देश है, कुल 51% भाग पर कृषि होती है, कृषि की आनन्दन पर निर्भरता के कारण, कृषि मानव का ऊँचा है।

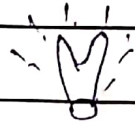
प्रमुख विधियाँ —

① क्यारी प्रणाली —



चित्र: क्यारी विधि जल पदान, प्रत्येक एकपत्र इम।

② फल्लार विधि —



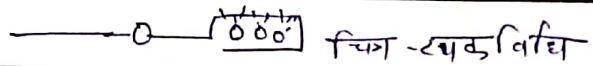
चित्र — फल्लार विधि

पाकप में निश्चित दूरी पर

नोजल लगा कर, 15-20% जल

की बचत, प्रामा: विकसित देशों में।

③ एपक मिंचाईना प्रणाली

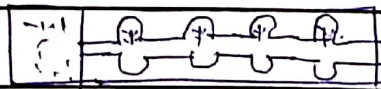


उन क्षेत्रों में जमोत नवें अमिगत जल स्तर

कम, भूतल्यता में, संपूर्ण क्षेत्र पर। वोल्ले

पाकप विधि कर; 33-40% जल बचत।

④ खोली थाला विधि



→ खोली विधि

पौधों के कुछ महत्त्व आसनाकारनाले

निर्मित कर खेती, फसल - पपीत, केला

आदि।

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

3 A

'महासागरीय लवणता' से तात्पर्य सागरीय जल के भार एवं उत्तरे जुड़े हुए पदार्थों के भार के अन्वयान से है।

∴ सागरीय लवणता की प्रति हजार भाग जल में घुलित लवण की मात्रा (‰) के रूप में दर्शाते हैं।

महासागरीय लवणता को विद्यमान होने प्रभावित करने वाले कारक -

① वाष्पीकरण

→ जितना तीव्र वाष्पीकरण लवणता उतनी बढ़ेगी -

- ट्रोपिकल क्षेत्रों में ताप की अधिकता के कारण.

- श्रमण क्षेत्रों में रेतीय क्षेत्रों में वर्षा के कारण कम लवणता पायी जाती है।

- ध्रुवों के निकट हिम पिघलने से सागरीय लवणता कम होती है।

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाशिए
में न
लिखे

3 P

(2) वर्षा द्वारा

जल आपूर्ति-

→ • जिन क्षेत्रों में सर्वाधिक वर्षा होती है

लवणता कम हो जाती है जैसे -

शुभमसरेखीम क्षेत्रों में

• अधिकतम क्षेत्रों में कम वर्षा के कारण

लवणता अधिक

• सूखे क्षेत्रों में सर्वाधिक जल वर्षा के

कारण निर्मित विमानों भागर →

लवणता कम |

(3) नदी के जल

के आगमन द्वारा

→ • नदियाँ बहते हुए भागर में अपने

साथ लवण लाती हैं तथापि उनके

मुँहाने पर स्वच्छ जल अधिक → लवणता

कम | जैसे - गंगा, अमेजन आदि |

• वाष्पीकरण की मात्रा स्वच्छ जल की

आपूर्ति से अधिक होती है तो इन क्षेत्रों

में लवणता अधिक होती है - शुभमसागर

40% लवणता पायी जाती है |

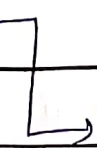
मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

4 वायुदाब तथा

वायु विभा



• चक्रवात, प्रतिचक्रवात, उच्चतापमान से

लक्षणता में वृद्धि।

• पवनों का पश्चिमी घाटी के पानी का स्थानान्तरण जिस

कारण लक्षणता में वृद्धि (मेक्सिको की खाड़ी)

5 सागरीय गति

• सागरीय धारों में लक्षणता की धारों
7 वर्षों में लक्ष्य है।

3 अक्टूबर 2011

3 C

भूमि सुधार के अंतर्गत मध्यमस्वी की समारित, कास्तकारी विधान में संशोधन, -यामोचित लगान निर्धारण आदि की शामिल विमा माता है।

✓ उद्देश्य -

→ भू-अधिकार सुरक्षा, विचालिमों की दपना, कृषकों की गोखण मुक्त करना, अनजातियों के हिलों की रता करना आदि।

✓ भारत में भूमि सुधार की आवश्यकता व महत्व -

- कृषि विकास के लिए ।
- सामाजिक न्याय के लिए ।
- निर्मोचित विकास के लिए ।

✓ स्वतंत्रता के पश्चात् भूमि सुधार -

(I) भूमिदायी प्रमा का उ-मूलन -

- देश में भूमि सुधारों का सबसे पहला प्रयास।
- मध्यम प्रेश, में 1951, बंकेट - 1959 में कानून बनाया गया।
- कास्तकार की लगान सीधी सरकार को देना होगा।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाशिए में न लिखें

② कार्तिकारी व्यवस्था में सुधार -

• छद्मिक कार्तिकारों की अपनी कृषि

भूमि पर कोई अधिकार प्राप्त नहीं था।

• सरकार द्वारा

सुधार - कार्तिकारों की सुझा

कृषि गान का निममन

③ जोतों की सीमा बंधी -

• जनका उद्देश्य अधिषेध भूमि को भूमिहीनों

में वितरित कर मामाफिड विधमता को इर

कर मामाफिड नाम की स्थापना करना था।

④ कृषि का पुनर्गठन -

① जोतों की चकबंदी कर विविध खेतों को चक्र

में बदलकर आर्थिक जोत का पुनर्गठन

② सहकारी खेती को बढ़ावा देकर ग्रामीण

अर्थव्यवस्था की स्थापना करना।

③ भूदान आंदोलन

④ जनजातीय भूमि के अंतर्गत को

रीका गमा व अंतरित भूमि को

वापस विना गमा।

प्रश्न संख्या	<p style="text-align: center;">मुख्य परीक्षा म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग</p>	<p>हाशिए में लिखें</p>
<input type="checkbox"/>	<p>5) भूमि अभिलेखों का कंप्यूटीकरण करना जमा।</p>	
<input type="checkbox"/>	<p>6) राज्यत्व समालन की लुप्त करना व भूमि अभिलेखों की अद्यतन करना।</p>	
<input type="checkbox"/>		
<input type="checkbox"/>	<p>उपरोक्त सू-सूचार्थ के लिए कृषि का विभाग दुष्का, कृषकों की सेवा के लुप्त, व अग्रिमिड नाम की स्थापना का उद्देश्य लागू करना।</p>	
<input type="checkbox"/>		
<input type="checkbox"/>		
<input type="checkbox"/>		
<input type="checkbox"/>		
<input type="checkbox"/>		
<input type="checkbox"/>		
<input type="checkbox"/>		
<input type="checkbox"/>		

प्रश्न संख्या	<p style="text-align: center;">मुख्य परीक्षा म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग</p>	हाशिए में न लिखे
3 D		
	<p>✓ भूजल</p>	
	<p>→ पृथ्वी की सतह के नीचे चट्टानों</p>	
	<p>के दर्रों, दर्राओं व अन्य स्थानों</p>	
	<p>में उपस्थित जल है यह नीचे</p>	
	<p>पानी के स्तरो के रूप में एक</p>	
	<p>प्राकृतिक संचयन है। कुल जल संचयन</p>	
	<p>का 0.58% भू-जल उपस्थित।</p>	
	<p>✓ भू-जल के</p>	
	<p>स्तरो</p>	
	<p>→</p>	
	<p>① <u>आवर्गीय जल</u> -</p>	
	<p>यह भूजल का संचयन</p>	
	<p>स्तरो है यह वर्षा और हिम रूप</p>	
	<p>में घाट होता है जो रिसकर</p>	
	<p>नीचे पहुँचता है।</p>	
	<p>② <u>सद्व्याप्त जल</u> -</p>	
	<p>सागरीय और झीलों में</p>	
	<p>स्थित अवसादी चट्टानों के दर्रों</p>	
	<p>में स्थित जल, जिसे अवसादी</p>	
	<p>तलवादी कहते हैं। भूमिगत जल</p>	
	<p>का दूसरा महत्वपूर्ण स्तर है।</p>	

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

(3) मैग्मा जल -

ज्वालानुवरी की क्रिया के कारण
नए मैग्मा बलों में पैदा होता है
तो इसके ~~उत्पन्न~~ वाष्पीय रूप लेयनित
होकर जल में परिवर्तित हो जाते हैं।
मह भू-जल का तीव्र महत्वपूर्ण स्रोत है।

(4) अरना -

कुछ पहाड़ी क्षेत्रों में जब जल
सतही जल के अंतः स्तर से अपर उठ
जाता है तो भूमिगत जल अरनों के रूप
में बाहर आ जाता है।

(5) कुआ -

मह ग्राम. खुले हुए होते हैं जिन्हें
अमीन में खोदकर पानी निकाला जाता है।
ज्या वर्षा काय करने वर्षा जल पंप
जाता है।

(6) हैंडपम्प -

प्रयोग ग्रामीण व शहरी लोगों का
किया जाता है। ये इस ही चलाये जाते हैं।
वर्षा.

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

हाशिए
में न
लिखें

प्रश्न
संख्या

7 गहरा इमूब बेल्ट

उसमें जमीन में एक छेद

व बनाकर पाइप के माध्यम से भूमिगत

जल को प्राप्त किया जाता है।

इससे जल के अतिरिक्त आर्सेनिक,

सि लिमन जलशयियों आदि सू-जल के स्रोत

से